भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2175

उत्तर देने की तारीख-09/12/2024

निपुण भारत मिशन

†2175. श्री बी.के. पार्थसारथी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय पठन एवं अंकगणित दक्षता पहल (निपुण) भारत मिशन के अंतर्गत राज्यों द्वारा मांगी गई और स्वीकृत की गई धनराशि का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त अवधि के दौरान राज्यों द्वारा निपुन भारत मिशन के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) मिशन के अंतर्गत आधारभूत साक्षरता एवं अंकगणित (एफएलएन) के लिए सरकार द्वारा राज्य-वार क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए और उन्हें प्राप्त किया गया;
(घ) पीएमयू (परियोजना प्रबंधन इकाई) की संख्या का राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) मिशन के अंतर्गत राज्यों, विशेषकर आंध्र प्रदेश को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और
(च) मिशन के अंतर्गत राज्य-वार कितने शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क़) और (ख): भारत सरकार ने केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा योजना के तत्वावधान में 5 जुलाई 2021 को 'संख्या ज्ञान के साथ पढ़ने में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल-निपुण भारत मिशन (एनबीएम)' नामक आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान पर राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकता के आधार पर समग्र शिक्षा के तहत वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) के अनुसार एनबीएम सहित समग्र शिक्षा के तहत कार्यों के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तत्पश्चात, इन योजनाओं का मूल्यांकन और अनुमोदन/अनुमान परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा योजना के कार्यक्रम संबंधी और वित्तीय मानदंडों के अनुसार राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से किया जाता है। यह निधि कुछ शर्तों की पूर्ति के आधार पर समग्र रूप से जारी की जाती है, जैसे व्यय की गति, समतुल्य राज्य अंश की प्राप्ति, लेखापरीक्षित लेखे, संचयी राज्य अंश का विवरण, बकाया अग्रिमों का विवरण, अद्यतन व्यय विवरण, वित्तीय प्रबंधन एवं खरीद नियमावली में निर्धारित सूचना प्रस्तुत करना तथा पिछले वर्ष का लेखापरीक्षित उपयोग प्रमाण-पत्र पिछले तीन वर्षों के दौरान निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आबंटित निधि और कुल व्यय का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक I में दिया गया है।

(ग): निपुण भारत मिशन (एनबीएम) की शुरुआत यह सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि देश का प्रत्येक बच्चा कक्षा 2 के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त कर ले। समग्र शिक्षा के तहत, सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निपुण-भारत मिशन को लागू कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) में प्रासंगिक अवधारणाओं को विकसित करने और बच्चों को स्कूली शिक्षा शुरू करने पर इष्टतम अधिगम की सुविधा के लिए अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने पर जोर दिया गया है। समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए, दिनांक 29 जुलाई, 2021 को 'विद्या प्रवेश' नामक ग्रेड I के लिए 3 महीने का प्ले आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल और दिशानिर्देश' शुरू किया गया था। विद्या प्रवेश कार्यक्रम का लक्ष्य विभिन्न पृष्ठभूमियों से ग्रेड-I में आने वाले सभी बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना, बच्चों का ग्रेड-I में सहज रूप से प्रवेश सुनिश्चित करना, समग्र विकास के लिए एक आनंदमय और उत्साहपूर्ण वातावरण में खेल आधारित, आयु और विकासात्मक रूप से उपयुक्त अधिगम के अनुभव प्रदान करना हैं। 12-सप्ताह के मॉड्यूल में ग्रेड 1 में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए एक बच्चे की पूर्व-साक्षरता, पूर्व-संख्याज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ाने के लिए विकासात्मक रूप से उपयुक्त निर्देश शामिल हैं। सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विद्या प्रवेश कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहे हैं। विद्या प्रवेश कार्यक्रम 8,85,902 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कार्यान्वित किया गया, जिससे 1,13,60,923 छात्र लाभान्वित हुए थे।

(घ): पीएमयू (परियोजना प्रबंधन इकाई) की संख्या के संबंध में राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा अनुलग्नक-II में दिया गया है।

(ङ): पिछले तीन वर्षों के दौरान निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वर्ष	जारी राशि (लक्ख में)
2021-22	₹ 6794.99
2022-23	₹ 6884.10
2023-24	₹ 5934.91

(च): शिक्षकों को निरंतर सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए, निष्ठा (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट) को अक्टूबर 2020 में दीक्षा (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) मंच का उपयोग करके प्राथमिक शिक्षकों तक पहुंचने और सभी स्तरों के शिक्षकों तक इसके विस्तार के लिए ऑनलाइन शुरू किया गया था। इसमें बातचीत के लिए कई दृष्टिकोण शामिल हैं अर्थात, वीडियो के साथ टेक्स्ट मॉड्यूल। ये सभी सामग्री मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) के तीन विकासात्मक लक्ष्यों और अधिगम के परिणामों से जुड़ी हुई हैं। मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षित शिक्षकों का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक-II में दिया गया है।

******

अनुलग्नक-I

"निपुण भारत मिशन" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री बी.के.पार्थसारथी द्वारा पूछे गए दिनांक 09 दिसंबर, 2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2175 के भाग (क़) और (ख) में उल्लिखित अनुलग्नक।

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत राज्य-वार अनुमोदित परिव्यय और किया गया व्यय

रुपए लाख में

राज्य	वर्ष 2021-22		वर्ष 2022-23		वर्ष 2023-24	
	अनुमोदित परिव्यय	कुल व्यय	अनुमोदित परिव्यय	कुल व्यय	अनुमोदित परिव्यय	कुल व्यय
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	172.91	43.85	146.63	24.89	121.2795	1.85859
आंध्र प्रदेश	6794.99	3289.10	6884.10	6579.47	5934.91	5934.91
अरुणाचल प्रदेश	904.68	68.22	627.44	627.44	1353.81	1353.81
असम	10131.45	4704.39	14264.16	9061.96	9845.93	9094.94
बिहार	33843.28	2815.14	33916.88	27661.33	46455.02	46120.89
चंडीगढ़	211.78	169.27	261.02	260.99	234.78	234.78
छत्तीसगढ़	7120.28	6755.02	9755.70	9755.70	9978.05	9978.05
दिल्ली	2773.99	2422.15	2454.80	2383.12	3295.85	3305.85
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	200.83	129.36	260.34	89.39	340.334	259
गोवा	161.86	0.34	209.51	92.78	243.823	242.32
गुजरात	11061.90	5361.11	13173.90	10700.77	11135.59	9792.89
हरियाणा	3345.72	3300.17	5223.30	5113.30	6540.48	6540.48
हिमाचल प्रदेश	1357.69	1040.21	1638.92	1628.92	1927.04	1927.04
जम्मू और कश्मीर	2299.22	1769.23	2976.27	2616.27	3750.568	3390.57
झारखंड	8213.24	7970.64	8146.64	8144.88	10147.12	10147.12
कर्नाटक	8389.67	5168.66	8317.91	6714.13	9203.82	8897.76
केरल	2814.49	1693.14	3170.52	2835.98	3120.62	1914.97
लद्दाख	63.63	63.63	74.90	74.90	159.39	79.365
लक्षद्वीप	44.46	25.00	55.31	20.00	22.7905	0.45
मध्य प्रदेश	15256.37	14658.12	23176.37	11831.95	29830.52	19211.75
महाराष्ट्र	15051.35	2907.45	20103.06	19587.05	20085.86	16648.76
मणिपुर	809.74	678.14	847.90	847.90	1474.77	1474.77
मेघालय	1321.93	27.57	1549.18	1285.95	1756.27	1756.27
मिजोरम	503.22	82.31	502.19	405.19	687.533	0
नगालैंड	631.55	240.928	329.16	166.72	780.83	780.83
ओडिशा	10070.25	9465.56	13843.08	5889.18	15000.99	1137.55
पुदुचेरी	163.49	163.49	140.15	48.22	281.44	281.44
पंजाब	3341.00	3320.00	2982.87	2862.41	5591.361	5084.22
राजस्थान	13897.42	11709.29	13037.02	4183.20	14740.59	1922.86
सिक्किम	255.55	6.48	167.21	74.69	309.14	50.00
तमिलनाडु	6670.37	6317.813	6254.83	2896.74	11331.80	11331.80
तेलंगाना	4176.94	0	3761.75	3328.26	2523.66	692.96
त्रिपुरा	1023.23	1023.23	1398.05	1398.05	1624.56	1624.56
उत्तर प्रदेश	19311.14	11701.17	23749.42	17375.35	27716.34	21924.51
उत्तराखंड	1793.09	694.57	2443.54	962.86	2305.4	1971.19
पश्चिम बंगाल	18839.65	781.26	10296.60	8792.40	8740.06	8740.06
कुल	**213022.50**	**110566.10**	**236140.62**	**176322.34**	**268592.4**	**213850.63**

स्रोत: प्रबंध पोर्टल

अनुलग्नक-II

"निपुण भारत मिशन" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री बी के पार्थसारथी द्वारा पूछे गए दिनांक 09 दिसंबर, 2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2175 के भाग (घ) और (च) में उल्लिखित अनुलग्नक।

परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा और निष्ठा (एफएलएन) के अंतर्गत शिक्षकों का राज्य-वार ब्यौरा

वित्त वर्ष	2024-25 (आज की स्थिति के अनुसार)		
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	राज्य स्तर	जिला स्तर	निष्ठा (एफ़एलएन) के तहत प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या
	पीएमयू की संख्या	पीएमयू की संख्या	
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	3	1715
आंध्र प्रदेश	1	26	33495
अरुणाचल प्रदेश	1	26	1866
असम	1	33	19350
बिहार	0	38	216399
चंडीगढ़	0	0	1894
छत्तीसगढ़	1	33	38036
दिल्ली	1	9	1263
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1	3	8260
गोवा	0	2	4815
गुजरात	1		63188
हरियाणा		22	20584
हिमाचल प्रदेश	1	12	5221
जम्मू और कश्मीर	1	20	47970
झारखंड			42583
कर्नाटक	1	35	105720
केरल	1	14	481
लददाख		1	1602
लक्षदवीप			327
मध्य प्रदेश	1	52	121721
महाराष्ट्र	1	35	65628
मणिपुर	1	16	7344
मेघालय	1	12	1405
मिजोरम	1	11	1539
नगालैंड	1	11	4087
ओडिशा	1	30	67982
पुदुचेरी	1	0	1582
पंजाब	1	23	45590
राजस्थान	1	33	135811
सिक्किम		6	3785
तमिलनाडु	1	38	857
तेलंगाना	1	33	41338
त्रिपुरा	1	8	15086
उत्तर प्रदेश	1	75	201275
उत्तराखंड	1	13	28178
पश्चिम बंगाल	1	24	571
कुल योग	**28**	**697**	**1358548**

स्रोत: प्रबंध पोर्टल